आरती श्री शैल-सुता की

आरति कीजै शैल-सुता की ।। आरति () ।।
जगदम्बा की आरती कीजै ।
स्नेह-सुधा, सुख सुन्दर पीजै ।।
जिनके नाम लेत दृग भीजै ।
ऐसी वह माता वसुधा की ।। आरति () ।।
पाप-विनाशिनी, कलि-मल-हारिणी ।
दयामयी, भवसागर तारिणी ।।
शस्त्रधारिणी शैल विहारिणी ।
बुद्धिराशि गणपति माता की ।। आरति () ।।
सिंहवाहिनी मातु भवानी ।
गौरव गान करें जग प्रानी ।।
शिव के हृदयासन की रानी ।
करें आरती मिल-जुल ताकी ।। आरति () ।।

विवरण

शैल की पुत्री जगदम्बा की हम आरती करते हैं । इनका अमृत रूपी प्रेम पीकर हमें अनुपम सुख की अनुभूति होती है । इनका नाम लेते ही मन - भाव - विभोर हो जाता है तथा आँखों से अश्रुधारा बहने लगती है, ऐसी शैल - सुता इस पृथ्वी की माता हैं ।

हमारें सभी पापों का नाश एवं हरण करने वाली माता बड़ी ही कृपालु हैं तथा जन्म-मरण के बंधन से छुटकारा दिलाने वाली हैं । यह माता शस्त्रों को धारण करने वाली हैं तथा शैलगिरि पर भ्रमण करने वाली हैं ।यह माता ज्ञान की खान हैं एवं गणेश जी की माता हैं ।

हे माँ ! आप सिंह की सवारी करने वाली हो तथा आपकी गरिमा का गान जग के सभी प्राणी नित्य रूप से करते रहते हैं । हे माता शैलसुता

! आप भगवान शंकर के हृदय रूपी आसन की रानी हो, हम सभी मिल - जुलकर आपकी आरती करते हैं ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.